PUBLICATION NAME :	Dainik Chirantan
EDITION:	Ujjain
DATE :	03/06/2023
PAGE NO.	8

महिलाओं ने उद्यमिता में जो मेहनत की है इससे उनका आत्मविश्वास बढ़ा है -राज्यपाल

उज्जैन। राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने कहा है कि महिलाओं ने उद्यमिता के क्षेत्र में जो मेहनत की है, इससे उनका आत्मविश्वास बढ़ा है। हमारी मातृ शक्ति की पहचान संकल्प और शक्ति है। वह लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए परिश्रम की पराकाष्ठा कर रही है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश की महिलाओं के विकास के विजन को लेकर आगे बढ़ बढ़ रहा है। इस बार का केंद्रीय बजट भी इसी बात को रेखांकित करता है। महिलाओं को जी-20 के माध्यम से वैश्विक मंच मिल रहा है। आज विकास के मामले में पांच उद्यमियों में से एक उद्यमी महिला उभरकर सामने आ रही है। महिलाओं के आर्थिक विकास के मामले में स्व-सहायता समूह ने उल्लेखनीय कार्य किया है। कई वंचित वर्ग की महिलाओं ने अपने आप को साबित करते हुए न केवल परिवार बल्कि देश की अर्थव्यवस्था में योगदान दिया है। स्व-सहायता ग्रुप में जो बेटियां व बहने आगे बढ़ रही हैं वह पारिवारिक जिम्मेदारी का निर्वहन भी कर रही है। केंद्र शासन द्वारा मुद्रा एवं स्टार्टअप योजनाओं से

महिलाओं के विकास के नए आयाम खोल दिए हैं। उन्होंने कहा कि उद्यमिता के लिए यह जागरूकता कार्यक्रम सीखने की प्रक्रिया को और तेज करेगा।

इसके पूर्व राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल, केंद्रीय महिला एवं बाल विकास विभाग के राज्यमंत्री डॉ.मुंजपारा महेन्द्रभाई, राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष सुश्री रेखा शर्मा व अन्य अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलित कर विक्रम कीर्ति मन्दिर में भारतीय उद्यमिता संस्थान एवं राष्ट्रीय महिला आयोग द्वारा आयोजित एक दिवसीय उद्यमिता जागरूकता शिविर की शुरुआत की गई।

कार्यक्रम में बोलते हुए केंद्रीय बाल महिला एवं बाल विकास राज्य मंत्री श्री मुंजपारा महेंद्रभाई ने कहा की केंद्र सरकार महिलाओं के विकास का एजेंडा लेकर चल रही है। उनके सशक्तिकरण के कार्य को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा रही है। उन्होंने कहा कि आज आवश्यकता है ऐसा इकोसिस्टम विकसित करने की जिससे महिला उद्यमियों की कैपेसिटी बिल्डिंग की जा सके। केंद्र शासन की मुद्रा योजना, स्टार्टअप योजना व प्रधानमंत्री जनधन खातों ने महिलाओं को सशक्त करने में उल्लेखनीय कार्य किया है।

राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष सुश्री रेखा शर्मा ने कहा कि देश की आधी आबादी महिलाओं की है, यदि इन्हें हम पीछे छोड़ देंगे तो आर्थिक प्रगति बाधित होगी।